Total No. of Printed Pages : 3 Roll No.....

MAHL-204

तुलनात्मक एवं भारतीय साहित्य

M.A. Hindi (MAHL.-12/16/17)

Second Year, Examination-2020

Time Allowed : 2 Hours Maximum Marks : 80

नोटः यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. तुलनात्मक साहित्य का औचित्य स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप की समीक्षा कीजिए।

2. भारतीय साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएं बताइए।

3. कुमाऊँनी लोकगीत कितने प्रकार के हैं? उनकी विशेषताएं बताइए।

4. गढ़वाली लोक साहित्य का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

5. दक्षिण भारत की किसी एक भाषा के साहित्य का परिचय दीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. तुलनात्मक साहित्य का क्या अर्थ है? इसके अध्ययन में अनुवाद के महत्व पर टिप्पणी लिखिए।

2. भारतीय साहित्य के सांस्कृतिक विस्तार पर प्रकाश डालिए।

3. कुमाऊँनी लोकगीतों में किन्हीं तीन का परिचय दीजिए।

   जोड़, चाँचरी, झोड़ा, छपेली, बैर।

4. आधुनिक जीवन में लोकगीतों का क्या महत्त्व है? टिप्पणी लिखिए।

5. गढ़वाली लोक कथाओं का परिचय दीजिए।

6. पंजाबी साहित्य में अमृता प्रीतम के योगदान की समीक्षा कीजिए।

7. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

8. कुमाऊँनी लोक गीतों के प्रमुख गायकों का परिचय दीजिए।

******